11/9/22, 11:03 AM (24) WhatsApp
V. (
yes

हिन्दुस्तान

यूजी नहीं पीजी में भी धांधली की आशंका

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। आयुष की यूजी ही नहीं पीजी में भी धांधली कर फर्जी एडमिशन की आशंका बढ़ गई है। क्योंकि नीट पीजी-2021 की काउंसलिंग की कमेटी व एजेंसी की कमान एक ही के पास थी। एसटीएफ ने इस दिशा में भी जांच शुरू कर दी है।

सोमवार को एसटीएफ समेत दूसरे अफसरों की टीमों ने निदेशालय से जरूरी दस्तावेज एकत्र किए। शनिवार व रविवार को राजकीय आयुर्वेद कॉलेज व होम्योपैथिक कॉलेज में काउंसलिंग कमेटी के सदस्य गए थे। आयुर्वेद निदेशक डॉ. एसएन सिंह ने पुलिस को जो मुकदमा लिखाया है उसमें इस बात का जिक्र किया गया है।

यूजी में कहां कितने हुए फर्जी दाखिले

संस्था	स्वीकृत सीट	भरी सीट	फर्जी दाखिला
राजकीय आयुर्वेद कॉलेज	502	502	43
राजकीय होम्योपैथी कॉलेज	828	828	06
राजकीय यूनानी कॉलेज	128	128	04
प्राइवेट आयुर्वेद कॉलेज	5010	4615	473
प्राइवेट होम्योपैथिक कॉलेज	200	118	02
प्राइवेट यूनानी कॉलेज	670	606	363

तहरीर में साफ लिखा है कि आयुष के पास कोई आईटी सेल नहीं है। लिहाजा निदेशक आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथ के सम्मलित रूप से काउंसलिंग प्रक्रिया कराई गई। 2021 में नीट यूजी व पीजी की काउंसलिंग कराई गई। प्रदेश में दो सरकारी आयुर्वेद कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। जबकि पांच निजी कॉलेजों में पीजी पाठ्यक्रम है।

ये हैं काउंसलिंग कमेटी के सदस्य

आयुर्वेद निदेशालय के डॉ. उमाकांत, यूनानी के प्रभारी अधिकारी डॉ. मो. वसीम, होम्योपैथ विभाग में संयुक्त निदेशक डॉ. विजय पुष्कर मुख्य रूप से काउंसलिंग कमेटी के सदस्य हैं।

7338
कुल स्वीकृत सीट

891
कुल फर्जी दाखिले

https://web.whatsapp.com
https://web.whatsapp.com